साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 142 | जौनपुर, शनिवार, 17 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

खड़गे ने मोदी सरकार पर वादे पूरे नहीं करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि उसने वादे के मुताबिक नौकरियां नहीं दी हैं और उसके शासन में देश की कर्ज की स्थिति खराब हो गई है। खड़गे ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान एक सार्वजनिक रैली में पूछा कि मैं पूछना चाहता हूं कि कहां हैं दो करोड़ नौकरियां? कहां है मोदी की गारंटी? वह 15 लाख रुपये कहां हैं जिसका उन्होंने वादा किया था? अपना हमला जारी रखते हुए खड़गे ने कहा कि या तो प्रधान मंत्री झूठे हैं या आप लोग, क्योंकि उन्होंने कहा था कि मैं सभी को 15 लाख रुपये दूंगा, लेकिन आप लोग कह रहे हैं कि आपको नहीं मिला... यूपीए के समय सरकार केवल कर्ज में थी 55 लाख करोड़ रुपये, लेकिन मोदी काल में हम पर 185 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। खड़गे ने आरोप लगाया कि बीजेपी न तो संविधान को मानती है और न ही लोकतंत्र को। वे (भाजपा) तानाशाही चाहते हैं। इसलिए हमें खुद को मजबूत करके इनसे लड़ने की जरूरत है। एनडीए में जाने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आपने न्याय यात्रा का समर्थन किया, खासकर यहां मौजूद लोगों की संख्या देखकर मुझे विश्वास है कि इस बार यहां से कांग्रेस की जीत होने वाली है।

समुद्री क्षेत्र में भारत के उभरती ताकत बनने के संकेत दिख रहे – नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि जिस तरह भारत आर्थिक विकास के लिए अपनी नजरें समुद्र पर केंद्रित कर रहा है, उन्हें समुद्री क्षेत्र में भारत के उभरती ताकत बनने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। यहां नेशनल मैरी टाइम फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडमिरल कुमार ने यह भी कहा कि 2022 के समुद्री डकैती रोधी कानून को औपचारिक रूप देने में भी इस ''थिंक–टैंक'' का ''महत्वपूर्ण योगदान'' रहा है, जिसे शायद ही कभी मान्यता दी जाती है। उन्होंने कहा कि यूरोप और मध्य पूर्व में संघर्ष और गैर–पारंपरिक खतरों के मद्देनजर उभरती चुनौतियों के बीच एनएमएफ की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। वह वाइस एडमिरल के के नैय्यर स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। कि एनएमएफ ने 2015 में जारी महत्वपूर्ण भारतीय समुद्री सुरक्षा रणनीति (आईएमएसएस) तैयार करने के लिए नौसेना के साथ सहयोग किया। नौसेना प्रमुख ने कहा यह दस्तावेज ''समुद्री क्षेत्र में हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा, संरक्षण, इसे बढ़ावा देने में नौसेना के प्रयासों का मार्गदर्शन करता है।

67वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में शामिल हुए सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेशवासियों ने पिछले 7 वर्षों में कानून व्यवस्था के महत्व को बखूबी अनुभव किया है। प्रदेशवासियों ने प्रदेश के लॉ एंड आर्डर की बेहतर स्थिति और सुरक्षा के माहौल को देखते हुए ही दोबारा इस सरकार को चुना है। आज हर नागरिक के मन में सुरक्षा का विश्वास है। प्रदेश की मजबूत कानून व्यवस्था का ही परिणाम है कि जीआईएस–23 में 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जबकि 2017 से पहले प्रदेश में निवेश के लिए कोई आना नहीं चाहता था।

10 लाख करोड़ से अधिक निवेश के प्रस्तावों को पीएम उतारेंगे धरातल पर

19 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 10 लाख करोड़ से अधिक निवेश के प्रस्तावों को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से धरातल पर उतारने जा रहे हैं। इससे 35 लाख नौजवानों को सीधे–सीधे नौकरी मिलेगी, जो यह दर्शाता है कि संकल्प के साथ कानून व्यवस्था को लागू किया जाए तो उसके परिणाम भी सामने आते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को 67वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में कही। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीट की स्मारिका का विमोचन किया। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को ट्रॉफी भी प्रदान की।

फील्ड में मिला अनुभव ही असली ज्ञान – सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और सुरक्षा का बेहतर माहौल बनाने में पुलिस के विभिन्न बलों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है। इतना ही नहीं पब्लिक परसेप्शन तय करने में भी पुलिस बल का अहम रोल है। उन्हे यह परसेप्शन बनाने में काफी चुनौतियों का सामना किया है। इसके लिये उन्हे दोहरी मानसिकता के साथ काम करना पड़ता है। वह असामाजिक और अराष्ट्रीय तत्वों के साथ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपने काम को अंजाम तक पहुंचाते हैं, जबकि कॉमन मैन के गुहार लगाने पर संवाद स्थापित कर उन्हे न्याय दिलाते हैं। इससे कॉमन मैन के

मन में एक नया विश्वास पैदा होता है। साथ ही यह पुलिस बल की संवेदनशीलता को भी दर्शाता है। समारोह में देश भर के विभिन्न बलों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया है। उनके अपने–अपने अनुभव हैं। उन अनुभवों का लाभ किस रूप में हम ले सकते हैं यह काफी महत्वपूर्ण है। हमारे देश में ज्ञान के आदान–प्रदान की परंपरा वर्षों पुरानी है। राजधानी लखनऊ से 70 किलोमीटर दूर नौमिषारण्य है, जो हजारों वर्ष पहले ऋषियों के ज्ञान के आदान प्रदान के मंथन का केंद्र था। यहां पर भारत के वैदिक ज्ञान की परंपरा को लिपिबद्ध करने का काम किया गया था। इसमें पूरे देश भर के 88,000 ऋषि–मुनि शामिल थे। ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट इसी धरोहर को आगे बढ़ाता है। सीएम योगी ने कहा कि ज्ञान वह नहीं होता है जो पुस्तकों में लिखा होता है, जबकि ज्ञान वह है जो फील्ड की ड्यूटी के दौरान आप अनुभव करते हैं।

प्रतियोगिताओं और प्रतिस्पर्धाओं में देखने–सीखने को है बहुत कुछ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपराध की बदलती प्रकृति के अनुसार हम सभी को अपने आप को तैयार करना होगा। हम जब अपनी बेस्ट प्रैक्टिसेज को जनता के सामने शेयर करते हैं तो बहुत कुछ जानने और सीखने को मिलता है। वहीं इस प्रकार की प्रतियोगिताओं और प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से बहुत सारी चीजों को देखने और सीखने का अवसर मिलता है। यही वजह है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हो चुका है।

पीएम मोदी हमेशा करते हैं स्मार्ट पुलिसिंग की बात

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर देश के अंदर की चुनौतियों और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रख करके स्मार्ट पुलिसिंग की बात करते हैं। इस दौरान वह सख्त और सेंसिटिव पुलिस की बात करते हैं।

लंबित याचिकाओं के साथ सुनी जाएगी तीन तलाक कानून के विरुद्ध आई नई याचिका – सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। तत्काल तीन तलाक की प्रथा को दंडनीय अपराध बनाने वाले 2019 के कानून के कुछ प्रविधानों की वैधता को चुनौती देने वाली नई याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पहले से लंबित याचिकाओं के साथ संलग्न करने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने आजमगढ़ निवासी आमिर रश्दी मदनी द्वारा दायर नई याचिका पर लंबित याचिकाओं के साथ सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की जिन पर 2019 में केंद्र को नोटिस जारी किए गए थे।

पुरुषों के अधिकारों का कैसे हनन करते हैं प्रविधान– सीजेआई

संक्षिप्त सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने सवाल ने किया कि इस कानून के प्रविधान पुरुषों के अधिकारों का किस तरह हनन करते हैं। इस पर मदनी के वकील ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं (विवाह के अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 तत्काल तीन तलाक को अपराध बनाता है और पुरुषों के लिए दंड का प्रविधान करता है।

कानून की धारा–3 और 4 परस्पर विरोधी

उन्होंने दावा किया कानून की धारा–3 और 4 परस्पर विरोधी हैं। धारा–3 तीन तलाक को अवैध बताती है और धारा–4 में इस तरह से तत्काल तीन तलाक देने पर पति के लिए तीन वर्ष कारावास व जुर्माने का प्रविधान किया गया है। इस मुद्दे पर पहले से जमीयत उलमा ए हिंद और समस्त केरल जमीयत उल उलमा नामक संगठनों की याचिकाएं शीर्ष अदालत में लंबित हैं।

सैन्य बलों को मजबूती के लिए खरीदे जाएंगे नए उपकरण, 84,560 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को डीएसी की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों की समग्र लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए बहुद्देश्यीय समुद्री विमान सहित 84,560 करोड़ रुपये के सैन्य हार्डवेयर की खरीद को शुक्रवार को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने इन खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी। डीएसी ने जिन प्रस्तावों को मंजूरी दी है उनमें नई पीढ़ी की टैंक रोधी माइंस (एंटी टैंक), वायु रक्षा सामरिक नियंत्रण रडार, भारी वजन वाले टॉरपीडो, मध्यम दूरी की समुद्री टोही व बहुद्देश्यीय समुद्री विमान, फ्लाइट रिफ्यूलर एयरक्राफ्ट तथा सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डीएसी ने भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल की निगरानी और हस्तक्षेप क्षमताओं को मजबूत करने के लिए मध्यम दूरी के समुद्री टोही विमानों और बहुद्देश्यीय समुद्री विमानों की खरीद को मंजूरी दी। वायु रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने के उद्देश्य से वायु रक्षा सामरिक नियंत्रण रडार की खरीद के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। यह विशेष रूप से धीमी, छोटी और कम उड़ान वाले लक्ष्यों का पता लगाने की क्षमताओं को मजबूत करेगा। बयान में कहा गया कि डीएसी ने भारतीय वायु सेना की परिचालन क्षमताओं और पहुंच को बढ़ाने के लिए फ्लाइट रिफ्यूलर एयरक्राफ्ट की खरीद के लिए एओएन को मंजूरी दे दी। एक अनुकूल रक्षा स्टार्ट–अप पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए भी डीएसी ने पहल किया है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने उत्कृष्टता के लिए नवाचार और स्टार्ट–अप उन्नत तकनीकों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 में संशोधन

को मंजूरी दी है। इसके तहत बेंचमार्किंग, लागत गणना, भुगतान अनुसूची और खरीद की मात्रा तय की जाती है। यह पक्म और TDF योजनाओं के तहत स्टार्ट–अप लिए एक सहायक व्यावसायिक वातावरण के साथ–साथ बहुत आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करेगा। यह वास्तव में ईज ऑफ डूइंग की भावना से प्रेरित होगा। भारतीय नौसेना के लिए CDoT की ओर से विकसित संवाद एप का डीआरडीओ द्वारा सुरक्षा परीक्षण किया गया। इसे ट्रस्ट एश्योरेंस लेवल 4 के लिए मंजूरी दे दी गई। रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन ने बताया है।

भाजपा के नेता पूरे देश में नफरत फैलाते हैं - राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने राम मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर सवाल भी उठा दिया। राहुल ने अपने संबोधन में कहा कि आपने मीडिया में कभी किसान या मजदूर का चेहरा देखा है? उन्होंने कहा कि आप सबने राम मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा देखी?... क्या आपको उसमें गरीब, किसान, मजदूर दिखा?... क्योंकि वो मजदूरी कर रहे थे। वो भूखे मर रहे थे.... राम मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा में हिंदुस्तान के सभी अमीर लोग थे लेकिन एक गरीब, किसान या मजदूर नहीं दिखाई दिया। राहुल ने कहा कि भाजपा के नेता पूरे देश में नफरत फैलाते हैं, जबकि कांग्रेस पार्टी मोहब्बत का संदेश देती है। इसलिए हम सभी को एक होकर बीजेपी और नफरत के खिलाफ लड़ना है। क्योंकि यह मोहब्बत और भाईचारे का देश है, नफरत का नहीं। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हमने लोगों से पूछा कि देश में फैली नफरत का क्या कारण है?

जवाब मिला– देश में फैल रही नफरत का कारण डर है और डर का कारण अन्याय है। आज देश के हर हिस्से में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर अन्याय हो रहा है। बिहार के युवाओं को सेना, रेलवे और पब्लिक सेक्टर में नौकरी नहीं मिलेगी। क्योंकि केंद्र सरकार चाहती है कि आप सब लोग कॉन्ट्रैक्ट पर ही काम करें। उन्होंने कहा कि देश में नफरत का माहौल बनने के पीछे क्या कारण है? हमने किसानों, मजदूरों, बच्चों और युवाओं से पूछा। इन सभी ने कहा कि इसका कारण डर है। इस डर का कारण अन्याय है। इस देश के हर कोने में हर दिन अन्याय होता है। आर्थिक अन्याय, सामाजिक अन्याय, किसानों के खिलाफ अन्याय, युवाओं के खिलाफ अन्याय, महिलाओं के खिलाफ अन्याय।

राहुल ने कहा कि अब एक और बात सामने आई है – अगर सेना का कोई जवान अपनी जान गंवाता है, तो उसे शहीद का दर्जा दिया जाएगा, लेकिन अगर कोई अग्निवीर अपनी जान गंवाता है, तो उसे भारत की सेना और सरकार शहीद का दर्जा नहीं देगी। उन्होंने शहीदों की दो श्रेणियां बनाई हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि आप – कांग्रेस और राजद के कार्यकर्ता – मोहब्बत की दुकान खोलें, लोगों को जोड़ें। हम सब मिलकर बीजेपी के लोगों द्वारा फैलाई गई नफरत के खिलाफ लड़ेंगे और जीतेंगे।

चंपई सोरेन की कैबिनेट का हुआ विस्तार

रांची, एजेंसी। झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के मंत्रिमंडल के विस्तार के लिए शपथ ग्रहण समारोह रांची में हुआ। राजभवन में आयोजित समारोह में झामुमो और कांग्रेस पार्टियों के प्रमुख

लोगों सहित कई मंत्रियों ने शपथ ली। जेएमएम से मिथिलेश कुमार ठाकुर, जेएमएम नेता और पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन, जेएमएम से हफीजुल हसन, बेबी देवी, कांग्रेस से रामेश्वर ओरांव, जेएमएम से दीपक बिरुआ, कांग्रेस से बन्ना गुप्ता और कांग्रेस से बादल पत्रलेख ने मंत्री पद की शपथ ली। 67 वर्षीय झामुमो नेता चंपई सोरेन ने 2 फरवरी को राज्य के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हिरासत में लिया था। उसी दिन दो मंत्रियों कांग्रेस के आलमगीर आलम और राजद के सत्यानंद भोक्ता ने शपथ ली थी। कैबिनेट विस्तार पर झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि आज हमारे मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है और सभी मंत्रियों को अपना दायित्व मिल जाएगा। अभी तक(उपमुख्यमंत्री के पद पर) कोई चर्चा नहीं है... हम जल्द ही विभागों का बंटवारा कर देंगे। झारखंड कांग्रेस के मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि जनता को हमारी सरकार से बहुत उम्मीदें हैं। सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में लगातार काम कर रही थी और हम अपने वर्तमान सीएम (चंपई सोरेन) के नेतृत्व में भी इसी तरह काम करते रहेंगे। संवैधानिक नियमों के अनुसार, झारखंड में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 12 मंत्री हो सकते हैं। इससे पहले 5 फरवरी को झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के नेतृत्व वाली जेएमएम नीत गठबंधन सरकार ने विश्वास मत हासिल किया था। 81 सदस्यीय विधानमंडल में 47 सांसदों ने विश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया और 29 ने इसका विरोध किया।

विकसित भारत बनाने के लिए राज्य का विकसित होना बहुत जरूरी – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने 9750 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पित

और शिलान्यास किया। पीएम ने गुरुग्राम मेट्रो रेल परियोजना और एम्स रेवाडी की आधारशिला रखी। इस दौरान मोदी ने कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड– देश की आधे से अधिक आबादी को दशकों तक छोटी छोटी जरूरतों से दूर रखने का है, तरसाने का है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड– सिर्फ एक ही परिवार के हित को देशवासियों के हित से ऊपर रखने का है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड– घोटालों का है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड– सेना और सैनिक दोनों को कमजोर करने का है। ये बात याद रखना जरूरी हैं क्योंकि आज भी कांग्रेस की टीम, नेता, नीयत वही है। अपना हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि एक परिवार के मोह में फंसी कांग्रेस आज अपने इतिहास के सबसे दयनीय दौर से गुजर रही है। इनके नेता से अपना एक स्टार्टअप नहीं संभल रहा, ये लोग देश संभालने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता एक–एक कर पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं। आज स्थिति ये है कि कांग्रेस के पास अपने कार्यकर्ता तक नहीं बचे हैं। जहां सरकार में हैं, वहां इनसे सरकारें तक नहीं संभल रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए हरियाणा का विकसित होना बहुत जरूरी है।

आयोग ने महाराष्ट्र सरकार को सौंपी रिपोर्ट, अब कैबिनेट की बैठक में होगा फैसला - सीएम शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संकेत दिए हैं कि सरकार जल्द ही मराठा आरक्षण को लागू कर सकती है। महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा आयोग के मुख्य न्यायाधीश शुक्रे ने मराठा समुदाय की सामाजिक और वित्तीय स्थिति पर आयोग की सर्वेक्षण रिपोर्ट शिंदे को सौंप दी है। सर्वे रिपोर्ट मिलने पर कैबिनेट बैठक में इसे पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, श्यह रिपोर्ट कैबिनेट की बैठक में पेश की जाएगी और उसके आधार पर सरकार फैसला लेगी। इसी मामले पर 20 फरवरी को विधानसभा के विशेष सत्र की घोषणा की जा चुकी है।

कानून की कसौटी पर खतरा उतरेगा आरक्षण

उन्होंने आगे कहा, श्जिस तरह से इस सर्वे का काम पूरा हुआ है, उसे देखकर हमारी सरकार को भरोसा है कि शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति के आधार पर आरक्षण संविधान और कानून की कसौटी पर खरा उतर सकेगा। हम मराठा समुदाय को कोई नुकसान पहुंचाए बिना ओबीसी आरक्षण या किसी अन्य आरक्षण को लागू करने में सक्षम होंगे। हमें विश्वास है कि हम स्थायी आरक्षण प्रदान करने में सक्षम होंगे।

भूख हड़ताल पर जाने की कोई जरूरत नहीं थी

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे पाटिल की भूख हड़ताल पर सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, मराठा आरक्षण के संदर्भ में सरकार ने पहले ही खुद को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया था। शुक्रे कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर हम मराठा आरक्षण को आगे बढ़ाएंगे। कुनबी पंजीकरण के संदर्भ

में आरक्षण के मुद्दे को पहले ही आगे बढ़ाया जा चुका है और इस पर काम पहले से ही चल रहा है। भूख हड़ताल पर जाने की कोई जरूरत नहीं थी, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा हो रहा है। हम उनसे अनशन वापस लेने का अनुरोध करेंगे। सरकार मांगों को पूरा करने के लिए सकारात्मक रूप से अपना काम कर रही है। मराठा आरक्षण पर महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, श्शुक्रे के मार्गदर्शन में मगेश्वरीय समिति ने सर्वे किया है। मैं उन्हें युद्ध स्तर पर काम करने के लिए बधाई देना चाहूंगा।

संपादकीय

आर्थिक विकास की दिशा

राष्ट्रीय आकांक्षाओं के संदर्भ में जो हासिल किया गया है, उससे अधिक महत्वपूर्ण है। भारत की आर्थिक विकास की दिशा में 75 साल की यात्रा कई मामलों में प्रभावशाली रही है, लेकिन कई अन्य मामलों में उतनी ही निराशाजनक रही है। बाइबिल का प्याला खत्म नहीं होता, यह अभी आधा भी नहीं भरा है। राजनेताओं, विशेषकर जिन्होंने सत्ता का आनंद लिया, ने भारत की आर्थिक वृद्धि, आय और धन में वृद्धि, नए उद्योगों के उदय और नए शहरों और कस्बों के प्रसार के लिए श्रेय लिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी दूरदर्शिता और प्रशासनिक कौशल के बिना, बहुत कुछ संभव नहीं होता। यह पूरी तरह से अनुचित धारणा नहीं हो सकती है। हालाँकि, जहाँ वे कुछ सफलताओं के लिए जिम्मेदार हैं, वहीं वे बड़े अंतराल और घाटे के लिए भी उतने ही जिम्मेदार हैं। आधे से अधिक खाली प्याला वे व्यर्थ अवसरों, अदूरदर्शी दृष्टि, लालच और स्वार्थ और, अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात, अपनी चिंता की कमी के कारण बनाते हैं। जो नहीं किया गया है, वह यकीनन, राष्ट्रीय आकांक्षाओं के संदर्भ में जो हासिल किया गया है, उससे अधिक महत्वपूर्ण है। भारत के आर्थिक विकास में प्रमुख कमियाँ क्या हैं? बहुत सारे हैं, लेकिन कुछ ही ध्यान आकर्षित करते हैं। उदाहरण के लिए, सभी के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर लें। ये पर्याप्त होने चाहिए ताकि काम करने की इच्छा रखने वाले अधिकांश लोग – पुरुष और महिलाएं – लाभकारी रोजगार प्राप्त कर सकें। यह केवल कोई मजदूरी अर्जित करना नहीं है। यह न्यूनतम जीवन स्तर हासिल करने के लिए उचित रूप से स्थिर और सभ्य जीवन–यापन अर्जित करने के बारे में है। सभी में उद्यमी बनने की क्षमता या इच्छा नहीं होती। युवाओं को संदेश यह दिया जा रहा हैरू उद्यमी बनें और जल्दी करोड़पति बनें। और यदि आप असफल होते हैं – जैसा कि अधिकांश करते हैं – तो इसे आपकी विफलता माना जाता है। यह ठीक इसलिए किया जा रहा है क्योंकि नौकरी बाजार सूख रहे हैं, और निकट भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से प्रसार के कारण तेज गति से सूख जाएगा। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत का नौकरी बाजार हिल गया है। श्रम बल का व्यवस्थित रूप से अनौपचारिकीकरण हुआ है, श्रमिक संघों की शक्ति कमजोर हुई है, संविदात्मक श्रम में वृद्धि हुई है, श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय कमी आई है, अंतर–राज्य प्रवासी श्रमिकों की बढ़ती असुरक्षा और सबसे ऊपर, कमी आई है। कार्यबल के एक बड़े हिस्से के लिए वास्तविक मजदूरी। आजीविका और आय बेहद असुरक्षित हो गई हैं। श्रम बाजार में बदलाव का गरीबी और आर्थिक असुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है क्योंकि लोग आसानी से गरीबी और बेरोजगारी की ओर लौट सकते हैं। जबकि पिछले दशकों में अत्यधिक गरीबी में कमी आई है, मध्य स्तर की बहुत सी गरीबी चिपचिपी साबित हुई है। विश्व बैंक की गरीबी रेखा +6.85 (2017 क्रय शक्ति समानता पर) प्रति व्यक्ति प्रति दिन के अनुसार, 40: आबादी अभी भी 2023 में मापी गई उस रेखा से नीचे कमाती है। बहुआयामी गरीबी – आय और संपत्ति के साथ–साथ संबंधित कारकों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर – हाल के दिनों में गिर गया है, लेकिन ग्लोबल हंगर इंडेक्स (कंसर्न वर्ल्डवाइड, एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन और वेल्थुंगरहिल्फे द्वारा तैयार) पर भारत 2023 में 125 देशों में से 111 वें स्थान पर है। रैंक 107 थी 2022 में 121 देशों में से। कोविड–19 ने गरीबी पर भी अपना प्रभाव डाला क्योंकि कई लाखों लोग अत्यधिक गरीबी में चले गए। श्रम बाजार में जितनी अधिक अनिश्चितता होगी, उतनी ही अधिक संभावना होगी कि बड़ी संख्या में लोग फिर से गरीबी में चले जायेंगे। पिछले 25 से 30 वर्षों में प्रभावशाली व्यापक आर्थिक विकास ने औसत आय में वृद्धि की है और पूर्ण गरीबी को कम किया है। हालाँकि, आर्थिक पिरामिड का निचला हिस्सा बढ़ती असुरक्षाओं और अनिश्चितताओं का सामना कर रही एक बड़ी आबादी तक फैल गया है। उस दौरान जिसे भारत की अर्थव्यवस्था और समाज के लिए सबसे खराब वर्ष माना जा सकता है – महामारी के चरम पर – अरबपतियों की संख्या तेजी से बढ़ी और सबसे अमीर 10: नागरिकों ने बड़े पैमाने पर अपनी संपत्ति में इजाफा किया। शीर्ष 10: भारतीय कुल आय का 57: कमाते हैं और अर्थव्यवस्था की कुल संपत्ति (ऑक्सफैम) का 77.4: हिस्सा रखते हैं। भारत के निचले 50: लोगों के आंकड़े चिंताजनक रूप से निराशाजनक हैं। उनके पास केवल 3: संपत्ति है और वे लगभग 13: आय अर्जित करते हैं। शीर्ष 10: की आय सबसे गरीब 50: की आय से 20 गुना है। असमानता का यह स्तर नैतिक दृष्टिकोण से अस्वीकार्य है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि श्समाजवादश शब्द देश के शासकों के लिए अभिशाप है। अदम्य असमानता के राजनीतिक परिणाम भी होते हैं। यह सामाजिक गतिशीलता को प्रतिबंधित करता है, अचानक हिंसक संघर्षों को ट्रिगर करता है और सत्तावादी प्रतिक्रियाओं को प्रेरित करता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का मानव विकास सूचकांक यकीनन व्यापक विकास का सबसे प्रसिद्ध और सम्मानित माप है और कई वर्षों से मौजूद है। भारत लगातार काफी निचले पायदान पर है। पिछले तीन वर्षों में, 189 से 191 देशों के स्कोर और रैंकिंग में से रैंक 131 और 132 के बीच रही है। यह सुप्रसिद्ध सूचकांक न केवल आय में बदलाव लाता है बल्कि आबादी की स्वास्थ्य सेवाओं और शैक्षिक उपलब्धियों तक पहुंच के कुछ सरोगेट उपाय भी करता है। कम स्कोर का स्पष्ट अर्थ है कि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के बावजूद, देश को नुकसान हो रहा है।

अब सुक्खू सरकार बनाएगी खेल नीति

भूपिंद्र

प्रतिभा खोज के बाद पढ़ाई के साथ–साथ प्रशिक्षण के लिए अच्छी खेल सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिएं। इसके लिए राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान की तर्ज पर अपना राज्य क्रीड़ा संस्थान हो, वहां पर प्रदेश के खिलाडियों को लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगें। अभी हाल ही में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने घोषणा की है कि हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य में नई खेल नीति लाएगी जिससे खिलाडियों को अधिक लाभ होगा। इससे पहले पिछली भाजपा सरकार ने भी राज्य के लिए नई खेल नीति बनाई थी। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद फिर खेल नीति पर चर्चा शुरू हो गई है, मगर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाडियों को नगद ईनाम अभी तक नहीं मिला है। हिमाचल की राजधानी शिमला में 16 मई 2023 को प्रदेश सरकार के खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने राज्य के खेल संघों के साथ बैठक कर खेल उत्थान के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसमें नई खेल नीति के साथ–साथ सरकारी नौकरियों में खेल आरक्षण को तीन प्रतिशत से पांच प्रतिशत करने की बातें प्रमुख रही थी। पिछली भाजपा सरकार के पांच सालों से हिमाचल प्रदेश में खेल नीति को नया स्वरूप देने की बात चलती रही थी। अंतिम साल में नई खेल नीति को मंत्रिमंडल की बैठक में कानूनी जामा पहनाया गया, मगर इसको जमीन पर उतारने से पहले सरकार का कार्यकाल ही खत्म हो गया। अब सरकार कांग्रेस की है और विक्रमादित्य के बाद यादविंद्र गोमा उसमें खेल मंत्री हैं। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बन कर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर चर्चा कर बनी नई खेल नीति में खिलाडियों के प्रशिक्षण पर बल दिया गया है। राष्ट्रीय स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पदक विजेता खिलाडियों की नगद ईमानी राशि को सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाना भाजपा सरकार का बहुत अच्छा कदम रहा है। केन्द्र व केरल सरकार की तर्ज पर हिमाचल प्रदेश में पहली बार पदक विजेता खिलाडियों के प्रशिक्षकों को भी नगद ईमानी राशि देने की बात की गई है। वर्तमान खेल मंत्री की तरह ही पिछली भाजपा सरकार में तत्कालीन खेल मंत्री राकेश पठानिया की अध्यक्षता में धर्मशाला के मिनी सचिवालय में नई खेल नीति के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके खिलाडियों, प्रशिक्षकों व खेल संघों के पदाधिकारियों के साथ एक मैराथन बैठक हुई थी। इस बैठक में खेल उत्थान से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई थी। इसके बाद भी खेल मंत्री ने व्यक्तिगत तौर पर विभिन्न खेल संघों से मिल कर लंबी चर्चा कर नई खेल नीति के लिए व्यावहारिक पहलुओं तक जाने की सोची थी, मगर कोरोना के दोबारा कहर से वह सब नहीं हो पा रहा था। इसके बाद अब खेल विभाग के अधिकारी व खेल के जानकार खेल नीति को नए स्वरूप तक ले जाने के लिए संघर्षशील हो गए और देर बाद ही सही, हिमाचल प्रदेश को अब नई खेल नीति मिल गई है, मगर जब तक धरातल पर कार्य नहीं होगा आप फिर चाहें कागजों में कई बार नई खेल नीति बनाते रहें। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने की बात को अमलीजामा पहनाया जाए। अवार्डी व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाडियों को पेंशन योजना का भी प्रावधान किया गया है, तो उन्हें उनका हक दो। खेल नीति में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व प्रतियोगिता के लिए विशेष अवकाश की बात है, क्या ऐसा हो पाता है? खेलों के लिए प्रेरित कर खेल मैदान तक ले जाने के लिए विद्यार्थियों को स्कूल व कालेज स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात तो खेल नीति में कही गई है, मगर हकीकत सबके सामने है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी–कभी अच्छे परिणाम दे पाया है हिमाचल प्रदेश, लेकिन वह राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोड़ कर अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य, उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत का खेल मंत्रालय व कई राज्य भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दे रहे हैं तथा वहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व पंजाब के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमी खोलनी होंगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए।

अल्प धन और लालफीताशाही ने भारतीय विज्ञान को प्रभावित किया

आदित्य

अनुदान प्राप्त करने और त्रैमासिक रिपोर्ट लिखने में व्यस्त वैज्ञानिकों के पास जटिल समस्याओं पर सावधानीपूर्वक विचार करने के लिए बहुत कम समय होगा। 20वीं शताब्दी के दौरान विज्ञान की उल्लेखनीय वैश्विक वृद्धि मुख्य रूप से सरकारी वित्त पोषण में क्रमिक वृद्धि के कारण हुई। कुछ देशों ने इस सदी में इस रास्ते पर रोक लगा दी है। लेकिन भारत में, बुनियादी अनुसंधान के लिए प्रत्यक्ष वित्त पोषण पिछले दशक में सकल घरेलू उत्पाद का 0.6–0.8 प्रतिशत के निचले स्तर पर रहा है, जो अन्य ब्रिक्स देशों की तुलना में बहुत कम है। वास्तव में, अनुसंधान एवं विकास पर भारत का कुल व्यय 2005 और 2023 के बीच सकल घरेलू उत्पाद के 0.82 प्रतिशत से गिरकर 0.64 प्रतिशत हो गया है। पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पृथ्वी मंत्रालय जैसी एजेंसियों को धन आवंटन में लगातार गिरावट आई है। विज्ञान और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद। अंडर–फंडिंग की यह प्रवृत्ति भारत में उपलब्ध योग्य शोधकर्ताओं के कम अनुपात में परिलक्षित होती है – 2017 में प्रति मिलियन लोगों पर 255 शोधकर्ता, जबकि इजराइल में प्रति मिलियन 8,342, स्वीडन में 7,597 और दक्षिण कोरिया में 7,498 शोधकर्ता हैं। पिछले दशक में, विश्वविद्यालयों की संख्या 752 से बढ़कर 1,016 हो गई है। अधिक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान स्थापित किए गए। संस्थानों की संख्या में यह वृद्धि विज्ञान बजट से संबंधित नहीं है। यह बेमेल अब और भी गंभीर हो गया है और औसतन 100 परियोजना प्रस्तावों में से केवल सात को ही वित्त पोषित किया जा रहा है। यहां तक कि स्वीकृत परियोजनाओं के लिए भी, वित्त नौकरशाही द्वारा बजट में भारी कटौती की जाती है। यहां तक कि जब आपने कागज पर अनुदान प्राप्त कर लिया है, तब भी कई महीनों तक धनराशि नहीं मिल पाती है। वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले जांचकर्ता के पास पैसा खर्च करने के लिए बहुत कम समय होगा। यह एक नई सामान्य बात बन गई है कि शोधकर्ताओं को उनकी स्वीकृत परियोजना राशि वर्ष के उत्तरार्ध में प्राप्त होती है। जब अधिकांश लोग कुछ त्वरित महीनों में पैसा खर्च करने में असमर्थ होते हैं, तो शेष 31 मार्च को सरकारी खजाने में वापस चला जाता है क्योंकि यह श्शून्य शेषश खाते में जमा किया गया था, जो अप्रैल 2022 में शुरू किया गया एक मानक है। इस बोझिल प्रक्रिया को जोड़ते हुए, एक नए लगाए गए दायित्व के लिए प्रमुख जांचकर्ताओं को श्लक्ष्योंश पर त्रैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। नौकरशाही इस बात से बेखबर है कि अनुसंधान कोई इंजीनियरिंग परियोजना नहीं है जहां समय प्रबंधन तकनीकों को आसानी से लागू किया जा सकता है। रचनात्मक अनुसंधान परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से नए ज्ञान का उत्पादन करने का एक साधन है। अनुदान प्राप्त करने और त्रैमासिक रिपोर्ट लिखने में व्यस्त वैज्ञानिकों के पास जटिल समस्याओं पर सावधानीपूर्वक विचार करने के लिए बहुत कम समय होगा। सरकारी ई–मार्केटप्लेस के माध्यम से खरीदारी पर जोर देने से व्यक्तिगत शोधकर्ता की आवश्यक विशिष्टताओं वाले उपकरण खरीदने की स्वतंत्रता भी कम हो गई है। यह उपकरण की गुणवत्ता पर समझौता लागू करता है। यहां तक कि किसी प्रयोगशाला उपकरण के लिए स्पेयर पार्ट खरीदने के लिए भी, जिसका अधिकांश हिस्सा भारत के बाहर बनाया जाता है, अब पहले घरेलू निर्माताओं के लिए एक निविदा जारी की जानी चाहिए। यदि कोई भारतीय निर्माता 20 दिनों के भीतर जवाब देता है, तो गुणवत्ता की परवाह किए बिना वैज्ञानिक उसके साथ जाने के लिए बाध्य है। यदि कोई नहीं आता है, तो आप किसी सरकारी एजेंसी को आयात करने की अपनी आवश्यकता के बारे में सूचित कर सकते हैंय एजेंसी को आम तौर पर जवाब देने में लगभग दो महीने लगते हैं। अनुसंधान के अपने सबसे महत्वपूर्ण चरण में एक वैज्ञानिक को इस तरह की देरी बेहद हतोत्साहित करने वाली लगेगी और यहां तक कि महंगी विफलता भी हो सकती है। खराब प्रक्रियाओं ने फेलोशिप के वितरण को भी कठिन बना दिया है। पोस्टडॉक्स और पीएचडी विद्वानों के लिए फंड महीनों या वर्षों तक मायावी रहता है। जांच करने के लिए लगातार आवश्यक जनशक्ति और आपूर्ति के लिए भुगतान करने में असमर्थता अनुसंधान को प्रभावित करती है। इससे पहले, फैकल्टी फंडिंग में देरी से निपटने के लिए संस्थागत बैकअप फंड पर निर्भर रहती थी। अब, अनुसंधान अनुदान एक बैंक के पास रखा जाता है। कई विभाग पीएचडी विद्वानों के कम टर्नओवर के बारे में शिकायत करते हैं क्योंकि फंडिंग बाधाएं छात्रों को हतोत्साहित करती हैं। केंद्र सरकार ने विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड को सम्मिलित करते हुए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) नामक एक नई फंडिंग व्यवस्था को मंजूरी दी। एएनआरएफ अधिनियम 5 फरवरी को लागू किया गया था, जिसमें डीएसटी सचिव को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया था। इसका कामकाज सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार की अध्यक्षता में एक कार्यकारी परिषद द्वारा नियंत्रित किया जाएगा। दूसरी ओर, 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लेख किया गया है कि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ) सरकार से स्वतंत्र होगा। शुरुआत में एक स्वतंत्र अमेरिकी संघीय सरकारी एजेंसी, नेशनल साइंस फाउंडेशन के आधार पर तैयार की गई।

अजीब साथियों के लिए जगह बना रही

आसिफ

भाजपा के महत्वाकांक्षी लेकिन चतुराई से तैयार किए गए एक राजनीतिक टिप्पणीकार द्वारा स्पष्ट रूप से मुक्त आने वाली नीति के रूप में वर्णित यह रणनीति शुरुआत में दोधारी तलवार थी। 1990 के दशक में, जब भाजपा ने राष्ट्रीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई, तो पार्टी के नेताओं को एहसास हुआ कि केवल अपने तीन मुख्य मुद्दों – राम के जन्मस्थान को मुक्त करना, धारा 370 को निरस्त करना और एक सामान्य नागरिक संहिता का कानून बनाना – का मुद्दा नहीं था। कांग्रेस को हटाने के लिए पर्याप्त है, जिसकी अभी भी पूरे भारत में मजबूत उपस्थिति थी। भाजपा के महत्वाकांक्षी लेकिन चतुराई से तैयार किए गए खाके का एक उल्लेखनीय पहलू अन्य दलों, खासकर कांग्रेस से बड़े नेताओं को अपने साथ लाने के लिए कड़ी मेहनत करना था, हालांकि उसने अभी तक श्कांग्रेस मुक्त भारतश का नारा नहीं दिया था। कांग्रेस)। कोई भी कांग्रेसी जो स्विच करने की इच्छा व्यक्त करता था, वह शिकार था रंगराजन कुमारमंगलम, के सी पंत, सुनील शास्त्री, वी सी शुक्ला, बुद्ध प्रिय मौर्य, जो उत्तर प्रदेश से पी वी नरसिम्हा राव के दलित शुभंकर थे, कुछ आय वाले थे। यदि मौर्य ने कथित तौर पर श्ब्राह्मण–बनियाश संगठन के रूप में अपनी छवि को पार करने के भाजपा के प्रयास में योगदान दिया, तो कुमारमंगलम, पंत, शास्त्री और शुक्ला के शामिल होने से अटल को छोड़कर कम–प्रतिष्ठित नेतृत्व लाइन–अप वाली पार्टी में प्रसिद्धि मिली। बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और विजया राजे सिंधिया – अपने वंश द्वारा राजनीतिक दिग्गजों के वंशजों के रूप में उभरे। मोहन कुमारमंगलम, गोबिंद वल्लभ पंत, लाल बहादुर शास्त्री और रविशंकर शुक्ला के पुत्रों की उपस्थिति ने ष्बहिष्कृतष होने की धारणा को कुंद कर दिया, जो दशकों तक भाजपा और उसके अग्रदूत, जनसंघ पर छाया रहा। कांग्रेस और अन्य दलों से बहिर्वाह लगातार और अक्सर अंधाधुंध चलता रहा, जब तक कि 2004 के चुनावों से पहले सच्चाई का एक क्षण नहीं आया, जब भाजपा को विश्वास था कि प्रधान मंत्री वाजपेयी को एक और कार्यकाल मिलेगा। यूपी के राजनेता और आदतन पार्टी–हॉपर धर्मपाल यादव को, उनके आपराधिक इतिहास के बावजूद, यादव वोटों को लक्षित करने के लिए समाजवादी पार्टी के साथ धूमधाम से लाया गया था। यादव ने 1992 में अपने राजनीतिक गुरु महेंद्र भट्टी की हत्या करवा दी थी. 2004 में, उनके बेटे विकास और भतीजे विशाल को एक युवा बिजनेस एक्जीक्यूटिव नीतीश कटारा की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा दी गई थी, जो यादव की बेटी भारती को डेट कर रहा था। भाजपा, जिसे अलग तरह की पार्टी कहा जाता है, को यादव को शामिल करने पर स्पष्टीकरण देने में कठिनाई हुई और जनता के दबाव में उन्हें हटा दिया गया। भाजपारू अजीब साथियों के लिए जगह बना रही है असम में कांग्रेस को बड़ा झटका, दो विधायकों ने हिमंत सरकार को दिया समर्थन इस तरह की निःशुल्क आगमन को भाजपा की आगे की बेदम यात्रा में षविपथनष के रूप में खारिज कर दिया गया। गठबंधन और इनकमर्स को इसके ब्लूप्रिंट के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में शामिल किया गया था जो राज्यों के साथ–साथ केंद्र में बहुमत जनादेश प्राप्त करने के पार्टी के रिकॉर्ड के बावजूद जारी है। जहां तक कांग्रेस और अन्य दलों के बड़े दिग्गजों की बात है, तो क्या उन्हें निर्वाचित होने और एक मंत्रालय का उपहार पाने की इच्छा रखने के लिए दोषी ठहराया जा सकता है, और यदि यह तर्कसंगत नहीं है, तो राज्यसभा या राज्य परिषद में सीट सुरक्षित कर लें? खासकर तब जब नेता कांग्रेस जैसी असफल पार्टी से हो. महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण और मुंबई से पूर्व कांग्रेस सांसद और राहुल गांधी के करीबी सहयोगी मिलिंद देवड़ा का हाल ही में शिवसेना में आना, विषम खेल मैदान के परिदृश्य में एनडीए की लगभग वर्चस्ववादी स्थिति की गवाही देता है। . भाजपा की खुली नीति क्या दर्शाती है? जाहिर है, वह विपक्ष द्वारा छोड़े गए अवशेषों को साफ करना चाहती है, खासकर महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल और यहां तक कि यूपी जैसे उच्च सीटों वाले राज्यों में, जहां भाजपा की श्रेष्ठता अब तक निर्विवाद है। प्रचुरता अपनी समस्याएं लेकर आती है, जो एक आशाजनक परिदृश्य में भाजपा की नरम कमजोरी को उजागर करती है। महाराष्ट्र में, भाजपा ने सेना के नेतृत्व वाले गठबंधन को हटाने और सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को विभाजित करके अपना गठबंधन स्थापित करने के लिए विधायी संख्या में हेरफेर किया। इसकी साजिशें एक गंभीर जातीय असंतुलन के रूप में सामने आई हैं, जो एक शक्तिशाली मध्यवर्ती जाति मराठों की ओर से ओबीसी आरक्षण की मांग से उत्पन्न हुई है। जबकि भाजपा ने अपने ओबीसी वोटों को मजबूत किया, लेकिन वह एक मराठा नेता का पोषण करने में विफल रही।

किसान आंदोलन से सोनिया के राजस्थान तक

कुलदीप चंद

हालात देखकर इस बार चुनाव से पहले ही सोनिया गांधी भी उत्तर प्रदेश छोड़ गई। अमेठी चाहे छोड़ दी हो, लेकिन राहुल गांधी ने जिद नहीं छोड़ी। वे सरकार भी बनाएंगे और किसानों की सभी मांगें भी मान लेंगे। वैसे मांगें तो उन्होंने मान ही ली हैं। अब तो काम का दूसरा हिस्सा किसानों को पूरा करना है कि वे उनकी सरकार बना दें। किसान उस पर विचार करते, उससे पहले ही सोनिया गांधी उत्तर प्रदेश छोड़ कर राजस्थान चली गईं। राहुल गांधी की सरकार बनने में यह एक अपशकुन हो गया लगता है। लगता है जब तक सरकार नहीं बना लेते, तब तक न्याय यात्रा करते रहेंगे। कभी नहीं रुकेंगे। सरकार बनाने में एक दूसरी बाधा भी आ गई लगती है। बहुत दिनों से राहुल गांधी आशा लगाए बैठे थे कि आम आदमी पार्टी से मिल जाएंगे तो हमारे हिस्से पंजाब और दिल्ली की आधी–आधी सीटें तो आ ही जाएंगी। लेकिन इतने बड़े किसान आंदोलन के बीच में ही केजरीवाल की पार्टी ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की औकात तो एक सीट की भी नहीं है, लेकिन फिर भी आपको एक सीट दे देंगे। जहां तक पंजाब का प्रश्न है, वहां सारी सीटें आम आदमी पार्टी को ही लडनी हैं३ पंजाब में तथाकथित किसान आंदोलन पुनरू शुरू हो गया है। उसके लिए जिन्होंने भी समय का चयन किया है, उनकी दाद देनी पड़ेगी। चुनाव सिर पर हैं, इसलिए दिल्ली को घेरने की योजना जरूरी थी। लेकिन किनको इस समय जरूरत थी, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है। जाहिर है यह जरूरत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को सबसे ज्यादा थी। पिछली बार जब पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी तो उस समय के मुख्यमंत्री ने बहुत ही चालाकी से आंदोलन को दिल्ली के दरवाजे पर धकेल दिया था। केवल धकेल ही नहीं दिया था बल्कि परोक्ष रूप से उसकी सब प्रकार से सहायता भी की थी। अंग्रेजी वाले जिसको लोजिस्टिकल फैसलिटीज कहते हैं, वे सभी मुहैया करवाई। आन्दोलन से कांग्रेस को कोई फायदा हुआ या नहीं, यह तो वही जानती होगी। लेकिन जो मुख्यमंत्री अति उत्साह में था उसका जरूर उत्साह भंग हो गया। अब मोहरे बदल गए हैं। पंजाब में केजरीवाल की आम आदमी पार्टी गद्दी पर है। लेकिन उसके मुखिया अरविंद केजरीवाल अत्यंत संकट में हैं। ईडी ने उन्हें दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में पांचवीं बार समन किया है। इस जांच में केजरीवाल के तीन साथी सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसोदिया और संजय बाबू पिछले लम्बे अरसे से जेल में हैं। जमानत के लिए हाथ–पैर मारते रहते हैं, लेकिन नसीब नहीं होती। जरूर कोई पुख्ता सबूत रहे होंगे। अब शायद वही सबूत केजरीवाल की ओर झांक रहे होंगे। इसलिए ईडी उन्हें बार–बार बुला रही है, लेकिन वे उसके सामने जा नहीं रहे। उनका कहना है कि उन्हें देश में अस्पताल और स्कूल खोलने हैं। इसलिए उनके पास समय कहां है। इसलिए पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार चाहती है कि पंजाब से ज्यादा से ज्यादा किसान जाकर दिल्ली को घेर लें। दिल्ली ही तो शराब को लेकर केजरीवाल के पीछे हाथ धोकर पड़ी हुई है। इसलिए आम आदमी पार्टी की सरकार को भी कुछ न कुछ करना पड़ेगा। पंजाब का मुख्यमंत्री दहाड़ रहा है। वह हरियाणा सरकार को कोस रहा है। पंजाब के किसानों को दिल्ली क्यों नहीं जाने दिया जा रहा? अब वह पंजाब की एयर स्पेस को लेकर भी सक्रिय है। पंजाब के आकाश में हरियाणा का ड्रोन क्यों? कल हो सकता है वह अपनी पुलिस को इसी काम में लगा दे कि पंजाब का ड्रोन हरियाणा के आकाश में दिखाई दे तो चुनिए गिरा लिया जाए। इससे सिद्ध हो जाएगा कि आम आदमी पार्टी की सरकार किसान के पक्ष में है। बाकी पंजाब के मुख्यमंत्री यह भी आगाह कर रहे हैं कि कल लोकसभा राष्ट्रगीत में से पंजाब को भी निकाल सकती है। आम आदमी पार्टी अब इस प्रकार के मुद्दों की तलाश में निकल पड़ी है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार किसानों को ललकार रही है। दिल्ली जाने के रास्ते में जो बाधा हो, उसको हटाओ। इस काम में चोट वगैरह लग जाए तो सारा खर्चा सरकार उठाएगी। शायद केजरीवाल को लगता होगा कि शराब का जो मामला पीछा नहीं छोड़ रहा, शायद उसको दिल्ली जाने की जिद पर अड़े किसान ही छुड़ा दें । शेष बात रही किसानों की मांगों की। कोई भी मसला हो उसे बातचीत से ही सुलझाना चाहिए। जब सरकार बातचीत करना चाहती है तो सडकों पर निकल आना और रास्ते अवरुद्ध कर देना शायद उचित नहीं है। किसानों को सरकार से बातचीत करनी चाहिए। अलबत्ता राहुल गांधी ने अवश्य किसानों से वादा किया है कि जब 2024 में कांग्रेस की सरकार आएगी तो वे किसानों की सभी मांगें स्वीकार कर लेंगे। राहुल गांधी किसानों की इतनी भीड़ देख कर सरकार आने का गणित बिठा ही रहे थे, इसी बीच पता चला कि उनके माता जी, कभी कांग्रेस के गढ़ रहे उत्तर प्रदेश को त्याग कर राजस्थान चली गईं। वे वहां से संसद में आना चाहती हैं। यकीनन आ भी जाएंगी। उत्तर प्रदेश में लम्बे अरसे से मां–बेटा अमेठी और रायबरेली से लोकसभा का चुनाव लड़ा करते थे। जीत भी जाते थे। इन्हीं दो सीटों पर पंजे की छाप दिखाई देती थी। लेकिन पिछले चुनाव में राहुल गान्धी उत्तर प्रदेश छोड़ कर केरल चले गए। उन्हें पूरी आशा थी कि अमेठी वाले अब नहीं मानेंगे। इसलिए वे समय रहते केरल चले गए। अमेठी वालों ने सचमुच राहुल जी की आशा पर फूल चढ़ा दिए। वे वहां से हार गए। हालात देखकर इस बार चुनाव से पहले ही सोनिया गांधी भी उत्तर प्रदेश छोड़ गई। अमेठी चाहे छोड़ दी हो, लेकिन राहुल गान्धी ने जिद नहीं छोड़ी। वे सरकार भी बनाएंगे और किसानों की सभी मांगें भी मान लेंगे। वैसे मांगें तो उन्होंने मान ही ली हैं। अब तो काम का दूसरा हिस्सा किसानों को पूरा करना है कि वे उनकी सरकार बना दें। किसान उस पर विचार करते, उससे पहले ही सोनिया गान्धी उत्तर प्रदेश छोड़ कर राजस्थान चली गईं। राहुल गान्धी की सरकार बनने में यह एक अपशकुन हो गया लगता है। लगता है जब तक सरकार नहीं बना लेते तब तक न्याय यात्रा करते रहेंगे।

विद्यार्थी डिग्री के साथ-साथ उद्यमी और रोजगारदाता बनें - विक्रम सिंह

देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन तक पहुंचाने में युवा मदद करे – अनुराग पटेल

उद्यम अभिमुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में शनिवार को उद्यम अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल और इन्क्यूबेशन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। समारोह में बतौर मुख्य वक्ता उप्र. के पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. विक्रम सिंह ने कहा कि विद्यार्थी डिग्री के साथ–साथ उद्यमी और रोजगारदाता बनें, यहीं सरकार की मंशा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की स्थिति में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। कानून– व्यवस्था के सुधरने से प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए भारी संख्या में उद्योगपति आ रहे हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाइन लगी है। उन्होंने कहा कि 2024 में दस लाख करोड़ का निवेश हुआ है। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि अगर आपके पास कोई भी आइडिया और इनोवेशन है तो आप रोजगार के मोहताज नहीं रहेंगे। उन्होंने प्रदेश की विकास यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को दो करोड़ टैबलेट और स्मार्टफोन दिए गए हैं। विद्यार्थी इसका प्रयोग सकारात्मकता के साथ करें। 55 फीसदी हाइवे और 454 निवेश मित्र समेत कई बड़ी योजनाएं प्रदेश में हैं। इसी के साथ 19 हजार एमओयू साइन हुए हैं, इससे प्रदेश में 35 लाख जॉब आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह साबित करता है कि प्रदेश विकास की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रगति के लिए फोकस, डेली इम्प्रूवमेंट और टाइम का मंत्र दिया। कहा कि इसे अपनाकर आप हमेशा अपनी प्रगति की राह आसान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राममंदिर और कई धर्म सर्किट ने रोजगार के साधन पैदा किए हैं। उन्होंने टेक्नालॉजी का जिक्र करते हुए कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी एआई ने हर काम को मुमकिन कर दिया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्व विभाग के विशेष सचिव अनुराग पटेल ने कहा कि इस कार्यक्रम का प्रमुख मकसद विद्यार्थियों और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि आप पढ़– लिखकर सरकारी नौकरी की लालसा रखने की जगह उद्यमी बनकर नौकरीदाता बनें। उन्होंने कहा कि आप लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपने अंदर जज्बा और जुनून पैदा करें। आंकड़े बताते हैं कि संगठित क्षेत्र में आठ फीसदी लोगों का 50 फीसदी और असंगठित क्षेत्र में 52 फीसदी लोगों का 50 फीसदी योगदान है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन तक पहुंचाने में युवा मदद करें। इसके पूर्व उपायुक्त उद्योग केंद्र हरिप्रताप सिंह ने सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और उसकी योजनाओं पर जिले में जो काम हो रहा है उसकी रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए नोडल अधिकारी प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी और धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि विद्यार्थी अपनी क्षमता को विकसित कर आत्मनिर्भर बनें और उसका उपयोग राष्ट्रनिर्माण में करें। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, उपकुलसचिव अमृतलाल, प्रो. विक्रम देव शर्मा, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ मनीष प्रताप सिंह, अखिलेश कुमार सिंह, डॉ. पुनीत धवन, सुशील प्रजापति, डॉ. वनिता सिंह, अंकित सिंह आदि थे।

लखनऊ की टीम ने परखी दो गांवों के विकास की हकीकत

सुल्तानपुर। विकास योजनाओं की हकीकत परखने के लिए शुक्रवार को मुख्य प्राविधिक परीक्षक ग्राम्य विकास विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ एसपी सिंह के साथ प्राविधिक परीक्षक टीएसी ने विकास खंड बल्दीराय के हलियापुर और डेहरियावा का निरीक्षण किया। टीम ने वित्तीय वर्ष 2020–21,2021–22 और 2023–24 में कराए गए कच्चे पक्के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर विकास कार्यों की हकीकत देखी। टीम ने मनरेगा पक्के कार्यों को गुड़वत्ता पूर्ण कार्य कराने तथा श्रमिकों को शत प्रतिशत रोजगार देने का आदेश दिया। मनोज यादव ने बताया कि मनरेगा की मजदूरी का भुगतान व मैटेरियल का पैसा शासन से न आने के कारण भुगतान नहीं हो पाया है। मुख्य प्राविधिक परीक्षक एमपी सिंह ने कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें,लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा तथा उपास्थित समस्त तकनीकी सहायक विकास खंड बल्दीराय एवं धनपतगंज को तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान लेखाकार सत्य नारायण गौतम,जेई जितेंद्र मोहन शर्मा,कंप्यूटर सहायक मनोज यादव,सचिव अरविंद सिंह, सचिव घनश्याम चंदन,सचिव रोहित चंद्रा,तकनीकी सहायक चंद्रनाथ पांडेय,सदानन्द यादव,संतोष श्रीवास्तव,अनिल श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह तथा विकास खंड धनपतगंज के समस्त तकनीकी सहायक उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा में साल्वर गैंग के पांच आरोपी गिरफ्तार, सरगना फरार

आरोपियों के पास चार प्रवेश पत्र, छह मोबाइल, दो चेकबुक व एक स्कार्पियों गाड़ी बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रदेश में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिकी परीक्षाओं को सकुशल संपन्न करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा तमाम प्रयास करने के बावजूद शिक्षा माफिया द्वारा इन परीक्षाओं में भी सेंधमारी की जाती है। ताजा मामला शनिवार को जौनपुर में सम्पन्न हुई यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा में सेंध लगाकर परीक्षा की सुचिता को तार तार करने का प्रयास करने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के राजा श्री कृष्णदत्त महाविद्यालय अटाला मस्जिद के पास से गिरफ्तार किया है। ये लोग परीक्षा पास कराने के लिए प्रत्येक अभ्यार्थियों से छह से आठ लाख रूपये का सौदा किया था। आरोपियों के पास चार प्रवेश पत्र, छह मोबाइल, दो चेकबुक व एक स्कार्पियों गाड़ी बरामद हुई है।

सभी आरोपीत जनपद के ही निवासी है। हलांकि गैंग का सरगना अभी फरार बताया जा रहा है। शनिवार को इस मामले मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर ब्रजेश कुमार गौतम ने पत्रकारों को बताया कि 17 व 18 फरवरी को आयोजित पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा को नकल विहिन कराने के लिए तथा किसी प्रकार की धांधली को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक डा0 अजयपाल शर्मा द्वारा सर्विलांस, एसओजी, साइबर सेल और एलआईयू टीम के माध्यम से साल्वरों पर निगाह रखी जा रही थी। इस क्रम में

शनिवार को पुलिस को मुखवीर से सूचना मिला कि पुलिस भर्ती परीक्षा में कुछ लोग सक्रिय है वे लोग इस परीक्षा को पास कराने के नाम पर कूटरचित दस्तावेज तैयार करके अवैध वसूली की जा रही है तथा निर्धारित पैसा का एडवांस वसूलने के प्रयास में है। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर पांच आरोपियों को हिरासत में लेकर तलासी लिया तो उनके कब्जे से चार प्रवेश पत्र, छह मोबाइल, दो चेकबुक व एक स्कार्पियों गाड़ी बरामद हुई है। पकड़े गये आरोपियों में अनुराग सिंह पुत्र अंश कुमार सिंह, मनीष कुमार सिंह पुत्र ज्ञानप्रकाश सिंह , अभिषेक सिंह पुत्र अंश कुमार सिंह निवासी थलोई थाना मछलीशहर, मयंक सिंह पुत्र श्याम सुन्दर सिंह निवासी खागोपुर थाना मछलीशहर तथा सूरज कुमार पुत्र भवनाथ निवासी नोरपुर थाना मछलीशहर यह स्कार्पियों का ड्राईबर शामिल है। एएसपी के अनुसार पुछताछ में आरोपियों ने बताया कि आलोक यादव निवासी सिंगरामऊ गिरोह का सरगना है। अनुराग व मनीष सिंह लड़को परीक्षा पास कराने के लिए उपलब्ध कराते है तथा पैसे का लेनदेन पेटीएम, चेक व अन्य माध्यमों से करते है। प्रवेश पत्र, मार्कशीट व अन्य कागजात को लड़को से लेकर इकट्ठा करते है तथा आलोक यादव को उपलब्ध कराते है। इन सभी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर इन्हें जेल भेजा जा रहा है।

शोध समाजपयोगी होना चाहिए - कुलसचिव

नए विचार और मुद्दे के लिए प्रोत्साहित करती है शोध – प्रो. रश्मि कुमार

दो सप्ताह तक चले कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का समापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के संकाय भवन में चल रहे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत शनिवार को समापन किया गया। यह कार्यक्रम दो सप्ताह तक चला। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता

इलाहाबाद विश्वविद्यालय की प्रो. रश्मि कुमार ने कहा कि इंटर डिसीप्लिनरी रिसर्च इन सोशल साइंस विभिन्न सामाजिक विज्ञान विषयों को अध्ययन करता है। यह छात्रों को उनके सामने आने वाले प्रत्येक नए विचार या मुद्दे पर कई दृष्टिकोणों से विचार करने के लिए गंभीर रूप से प्रतिबिंबित करने के लिए प्रोत्साहित करती है । यह अनुसंधान में विभिन्न विज्ञान क्षेत्रों को सम्मिलित करके समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करता है। इस प्रकार की अनुसंधान प्रक्रिया में अधिकतर संसाधनों को समाहित किया जाता है जैसे कि विज्ञान, गणित, आर्थिक विज्ञान, और मनोविज्ञान। इससे नई और अद्वितीय दृष्टिकोण उत्पन्न होता है जो सामाजिक समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने में मदद करता है। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि शोध समाजपयोगी होनी चाहिए। शोध का मतलब तभी सार्थक होगा जब किसी शोधकर्ता का शोध समाज के किसी वर्ग के काम आ जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में कोई संतुष्ट नहीं है। हर व्यक्ति तनाव, ड्रिपेशन से परेशान है। यह क्यों होता है इसी के जवाब में शोध की शुरुआत होती है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि बहुत ही मनोयोग से प्रतिभागियों ने दो सप्ताह का समय बिताया। मैं आशा करता हूं कि यहां से उन्हें बहुत सी जानकारियां प्राप्त हुई होगी। कार्यक्रम के सहसमन्वयक डॉ. मनोज पांडेय ने कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के बारे में विस्तार से बताया। संचालन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनु त्यागी ने किया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ.प्रियंका सिंह, डॉ. साधना मौर्या, डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, डॉ. निशा पांडेय, श्रुति श्रीवास्तव, कश्मा सिंह, रेनु मल चौहान, डॉ. दया सिंधु, डॉ.विवेक मिश्रा, डॉ.कपिलदेव, अनुपम, दीपक कुमार यादव, एजाज अहमद, डॉ. वीरेंद्र कुमार साहू, डॉ. दीपक कुमार दास, बब्बन कुमार, एसी सिंह, चंद्रभुज कश्यप, यदुभान कुमार आदि उपस्थित रहे।

बाइक सवार दो दोस्त को रास्तें में मिली दर्दनाक मौत

सोनभद्र, संवाददाता। सोनभद्र जिले के घोरावल –राबर्ट्सगंज मार्ग पर टेटी माइनर के पास सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों सगाई समारोह से लौट रहे थे। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं थीं। बाइक चालक ने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन टक्कर इतनी तेज थी कि हेलमेट क्षतिग्रस्त हो गया।

यह है मामला

शाहगंज थाना क्षेत्र के ढुटेर गांव निवासी देवीचरण कोल (35) गुरुवार को अपनी ममेरी बहन की सगाई में शामिल होने गुरेठ गया था। साथ में उसका दोस्त गांव का ही रामप्रवेश विश्वकर्मा (25) भी गया था। देर रात दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। बाइक देवीचरण चला रहा था। टेटी माइनर के पास हादसे में दोनों की मौत हो गई। इस दौरान देवीचरण ने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन जोरदार टक्कर के कारण हेलमेट क्षतिग्रस्त हो गया। टूटा हेलमेट उसके सिर में अटका था। सूचना पर पुलिस व परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों को घोरावल सीएचसी पहुंचाया। परिजनों के मुताबिक अज्ञात वाहन के टक्कर से दोनों की मौत हुई है। घोरावल सीओ ददन प्रसाद ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टोल टैक्स से बचने के लिए संपर्क मार्ग से जा रही बस ट्रक से जा टकराई

वाराणसी, संवाददाता। कैथी के टोल प्लाजा के टैक्स से बचने के लिए एक प्राइवेट बस भंदहां नहर मार्ग की ओर जा रही थी। भंदहां नहर मार्ग की ओर मुड़ रहे एक ट्रक के पीछे तेज रफ्तार बस जाकर टकरा गई। हादसे में बस में सवार 25 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। उनमें से पांच यात्रियों की हालत गंभीर है। गाजीपुर के कासिमाबाद के एक पूर्व ब्लॉक प्रमुख की प्राइवेट बस वाराणसी से गाजीपुर, कासिमाबाद, रसड़ा, नगरा होते हुए बलिया के मनियर तक जाती है। दोपहर 2.40 बजे आशापुर से बस चली। टैक्स से बचने के लिए बस संपर्क मार्ग जा रही थी। उसी दौरान एक ट्रक भंदहां नहर मार्ग की ओर मुड़ रहा था। तेज रफ्तार प्राइवेट बस ट्रक के पीछे ऐसे टकराई कि उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे में गाजीपुर के ताहिर अहमद, इकबाल अंसारी, रीना यादव, बड़ेलाल, रामभरत, बबलू गुप्ता, मनीष खैरवार, पीयूष, लालजी यादव, पूजा, दीपक व पंकज दूबे, सैदपुर की रेखा, बिंदुमती व सोमनाथ, रसड़ा के रितेश कुमार, नंदगंज की शुभावती देवी और बलिया की काजल, ओमकार नाथ शुक्ला, राकेश मद्धेशिया व मुन्नी देवी सहित 25 यात्री घायल हो गए।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची चौबेपुर थाने की पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। स्थानीय लोगों का कहना था कि कैथी टोल प्लाजा के टैक्स से बचने के लिए ट्रक सहित अन्य चारपहिया वाहन रोजाना भंदहां, कैथी, राजवारी और धौरहरा के रास्ते गुजरते हैं।

112 नंबर पर फोन कर पीएम–सीएम को जान से मारने की दी धमकी

वाराणसी, संवाददाता। 112 नंबर पर फोन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को मिर्जामुराद थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया।

यह है पूरा मामला

यूपी 112 के ऑपरेशन कमांडर मुख्यालय के पत्र के माध्यम से मिर्जामुराद थाने की पुलिस को बताया गया कि 12 फरवरी की रात भिखारीपुर निवासी विनोद कुमार ने 112 नंबर पर फोन किया। संवाद अधिकारी रोली देवी के कॉल रिसीव करने पर उसने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का नाम लेकर गालीगलौज की। साथ ही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी। मिर्जामुराद थानाध्यक्ष आनंद कुमार चौरसिया ने बताया कि यूपी 112 की सूचना के पर आरोपी की तलाश कर उसे बुधवार की रात गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ने बताया कि उसने शराब के नशे में फोन किया था।

न्याय यात्रा के दौरान जिले में तीन नुक्कड़ सभाएं करेंगे राहुल गांधी, रात्रि में करेंगे विश्राम

प्रयागराज, संवाददाता। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान प्रयागराज में राहुल गांधी की कोई जनसभा तो प्रस्तावित नहीं है, लेकिन तीन स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं करेंगे। इस दौरान वाहन से ही लोगों के बीच अपनी बात रखेंगे। यात्रा 18 फरवरी को दो बजे गोपीगंज से होते हुए प्रयागराज में प्रवेश करेगी। हंडिया, झूंसी, बालसन, तेलियरगंज, फाफामऊ होते हुए शाम साढ़े छह बजे सोरांव पहुंचेगी। सकरामऊ स्थित स्कूल के मैदान में रात्रि विश्राम करेगी। इस दौरान राहुल हंडिया के पास हबुआ मोड़, शहर में लक्ष्मी टॉकीज चौराहा, सोरांव में वैन से ही यात्रा में शामिल लोगों को संबोधित करेंगे। अगले दिन सुबह नौ बजे यात्रा प्रतापगढ़ को रवाना होगी।यात्रा में प्रियंका गांधी, वरिष्ठ नेता जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल होंगे। यात्रा में युवाओं–छात्रों, किसानों और महिलाओं का प्रतिनिधिमंडल भी इनसे मिलेगा। राहुल से मुलाकात करने वालों की सूची तैयार की जा रही है। मुलाकात स्वराज भवन में होगी या कहीं और इसे लेकर भी मंथन किया जा रहा है।

विवि के पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारियों, नागरिक समाज ने यात्रा का किया समर्थन

इविवि छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारियों, नागरिक समाज व कर्मचारी नेताओं ने भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समर्थन करने के साथ इसमें अधिक से अधिक लोगों के शामिल होने की अपील की। प्रेसवार्ता में पूर्व अध्यक्षों अनुग्रह नारायण सिंह, विनोद चंद्र दुबे, केके राय, प्रभुनाथ द्विवेदी, नागरिक समाज के अंशू मालवीय, कर्मचारी नेता सुभाष पांडेय, ऋषेश्वर उपाध्याय ने शुक्रवार को किसानों और कर्मचारियों की ओर से घोषित भारत बंद का भी समर्थन किया।

राहुल गांधी इस शहर के बेटा, स्वागत के लिए हैं लोग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा में उप नेता प्रमोद तिवारी ने कहा, राहुल के स्वागत का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रमोद यात्रा में शामिल होने के लिए बृहस्पतिवार शाम को चंदौली के लिए रवाना हो गए। गंगापार के अध्यक्ष सुरेश यादव, पूर्व विधायक विजय प्रकाश, मुकुंद तिवारी, हसीब अहमद आदि ने प्रमोद तिवारी का उनके आवास पर स्वागत किया।

पूर्व न्यायाधीश सभाजीत यात्रा में होंगे शामिल

इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश सभाजीत यादव न्याय यात्रा में शामिल होंगे। उनके साथ पूर्व जिला जज रमेश कुमार यादव, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष जमील अहमद आजमी, डॉ.राधेश्याम यादव, मनोज यादव समेत कई अन्य लोग भी रहेंगे। सभाजीत यादव ने बताया कि वे लोग शुक्रवार को चंदौली में ही यात्रा में शामिल होंगे और रायबरेली तक उसका हिस्सा रहेंगे।

राहुल के स्वागत के लिए सजेगा युवा कांग्रेस का मंच

राहुल की अगुवाई में 18 फरवरी को आ रही भारत जोड़ो यात्रा के स्वागत के लिए प्रदेश युवा कांग्रेस की ओर से कर्नलगंज थाने के बगल में मंच तैयार कराया जाएगा। यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेश मिश्रा ने प्रेसवार्ता में बताया कि इस दौरान राहुल गांधी युवाओं से संवाद भी करेंगे।

अचला सप्तमी पर लाखों श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज, संवाददाता। यश, कीर्ति और प्रतिष्ठा में वृद्धि के लिए अचला सप्तमी पर लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद विधि विधान पूर्व भगवान भास्कर को अर्ध्य देकर परिवार के मंगलमय जीवन की कामना की। भोर से ही श्रद्धालुओं का संगम तट पर पहुंचना शुरू हो गया था। दोपहर 12 बजे तक भीड़ काफी अधिक बढ़ गई। इसके चलते संगम आने के सभी मार्गों पर जाम की स्थिति बन गई। श्रद्धालुओं ने संगम स्नान कर घाट पर मौजूद दीन हीनों को दानपुण्य किया।

सूर्य की विशेष अराधना

अचला सप्तमी पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर की विशेष पूजा आराधना कर आदित्य हृदय स्त्रोत और सूर्य चालीसा आदि का पाठ कर भगवान सूर्य की स्तुति की। साथ ही घाट पर मौजूद दीन हीनों को मसूर दाल, गुड़, तांबा, गेहूं, लाल या नारंगी वस्त्र दान किया। मान्यता है कि अचल सप्तमी पर पूजन करने से भगवान सूर्य की स्थिति कुंडली में प्रबल होती है।

इस दिन हुआ था भगवान सूर्य का जन्म

अचला सप्तमी यानी रथ सप्तमी को ही भगवान सूर्य का जन्म अदिति के गर्भ से हुआ था। इसी लिए भगवान सूर्य को आदित्य भी कहा जाता है। आज के दिन भगवान सूर्य की पूजा अराधना करने से ग्रहों के राजा सूर्य की विशेष कृपा प्राप्त होती है जीवन में सफलता मिलती है।

सिरफिरे ने युवती की फोटो एडिट कर बना दिया आपत्तिजनक वीडियो

गोरखपुर, संवाददाता। शाहपुर इलाके में एकतरफा प्यार में सिरफिरे युवक ने युवती की शादी तुड़वा दी। आरोप है कि सिरफिरे ने वर पक्ष को युवती का एडिट करके अश्लील फोटो व वीडियो भेज दिया।

इतना ही नहीं, वह किसी और से शादी करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए रंगदारी मांग रहा है। पिता की तहरीर पर शाहपुर थाना पुलिस छेड़खानी, रंगदारी मांगने, धमकी देने और आईटी एक्ट का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। शाहपुर थाने में दी तहरीर में पिता ने लिखा है कि बेटी की शादी छह मार्च को तय थी। परिवार के लोगों ने इसकी पूरी तैयारी कर ली थी, कई रिश्तेदारों के घर निमंत्रण पत्र भी भेज दिया गया था। भगवानपुर कोइरी टोला निवासी अजेंद्र प्रताप उनकी बेटी को परेशान करता है। पारिवारिक कार्यक्रम का फोटो लेकर कंप्यूटर की मदद से उसे आपत्तिजनक बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहा है। परिवार को ब्लैकमेल करने के साथ ही वीडियो उसने वर पक्ष को भेजने के साथ ही यह धमकी दी कि शादी करने पर दूल्हे को जान से मार देगा। आरोपी उनकी बेटी से एकतरफा प्यार करता है। वह धमकी दे रहा है कि दूसरे से शादी करने पर पूरे परिवार को बर्बाद कर देगा। अजेंद्र प्रताप की हरकत से उनका पूरा परिवार सदमे में है।

यूपी में भारत बंद का नहीं है असर, किसानों को बरगलाने का कार्य कर रहे हैं कुछ राजनैतिक दल

प्रयागराज, संवाददाता। योगी सरकार में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारत बंद का कोई असर नहीं है। यहां के किसानों की हर समस्या का समाधान सरकार कर रही है। कुछ लोग राजनैतिक बहकावे में आकर भारत बंद का आह्वान कर रहे हैं। योगी सरकार के सात साल में किसानों को दो लाख 35 हजार से ज्यादा गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा चुका है। किसानों के आंदोलन में तमाम ऐसे लोग भी शामिल हैं जो किसान हैं ही नहीं। वह अन्नदाताओं को बरगलाकर अपना हित साधने का कार्य कर रहे हैं। कृषि मंत्री शुक्रवार को पटेल संस्थान में आयोजित पांच दिवसीय कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार ने इसी साल 30 रुपये कुंतल गन्ने का मूल्य बढ़ाया है। योगी आदित्यनाथ के सात साल के कार्यकाल में अब तक 55 रुपये प्रति कुंतल दाम बढ़ चुके हैं। किसान आंदोलन का समर्थन करने वाली कांग्रेस ने देश में शासन के दौरान स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। कांग्रेस एमएसपी की गारंटी नहीं मानती थी। मोदी सरकार में किसानों को कई फसलों का डेढ़ से दो गुना दाम मिल रहा है। इसी तरह धान का समर्थन मूल्य पहले 1310 रुपये प्रतिकुंतल था आज सरकार 2183 रुपये किसानों को दे रही है। गेहूं का 1400 रुपये थी, जिसे बढ़ाकर 2250 किया गया है। उत्तर पदेश सरकार ने 1.15 हजार करोड़ रुपये अनाज के उत्पादन की खरीदारी की गई है। सपा और बसपा के 15 वर्ष के शासन काल में इतने बड़े पैमाने पर खरीदारी नहीं हुई थी।

महाराजा निषाद राज की जयंती को सफल बनाने के लिए तैयारी जोरों पर

अयोध्या। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार पड़ रही महाराजा निषाद राज जयंती को लेकर तैयारियां जोरो पर है।महाराजा निषाद राज को जयंती को भव्यता देने के लिये प्रेस क्लब में एक अहम बैठक की गयी बैठक में सभी 11 ब्लॉकों से आए हुए निषाद समाज के लोग व प्रधान, बीडीसी एवं क्षेत्र के सैकड़ो लोग ने पहुंचकर महाराजा निषाद राज जयंती मनाने की तैयारी पर चर्चा की। इस बार महाराजा निषाद राज की जयंती के अवसर पर 21 गरीब कन्याओं की शादी कराने पर विचार विमर्श हुआ।इस मौके पर महाराजा निषाद राज जयंती के अध्यक्ष श्याम लाल निषाद ने अपने संबोधन में कहा कि सभी साथियों को जो जिम्मेदारी दी गई है उसे बेहतर तरीके से निभाएं। अपने–अपने क्षेत्र में गांव में जाकर भगवान निषादराज जयंती जो 5 अप्रैल को मनाया जाना है उसके लिए प्रचार प्रसार करें। इस मौके पर निषाद राज जयंती के संरक्षक डॉक्टर नानक शरन निषाद ने सभी साथियों को दिशा निर्देश देते हुए कैसे निषाद राज जयंती धूमधाम से मनाएंगे उसकी रणनीति बताई। डॉक्टर नानक शरण ने भगवान निषाद राज जी की एक पत्थर की प्रतिमा लगवाने के लिए विचार विमर्श किया। आने वाले अगली निषाद राज जयंती पर भगवान निषादराज की प्रतिमा की स्थापना के लिए संकल्प लिया गया। इस मौके पर मोतीराम निषाद, महाराजा निषाद राज जयंती के महामंत्री डॉ विजय कुमार निषाद, जिला अध्यक्ष निषाद पार्टी संगठन अयोध्या कार्यकारिणी अध्यक्ष अरुण निषाद, मनीराम प्रधान, राम बोहर निषाद, राजकुमार निषाद, जिला अध्यक्ष निषाद पार्टी संगठन गोंडा राजा बाबू निषाद, राम केवल निषाद, दुर्गेश निषाद, रामसेवक दास के अलावा क्षेत्र के सभी निषाद समाज के लोग उपस्थित रहे।

आईपीपीबी में दर्जनों सेवाएं लाभदायक – एच के यादव

सी ई एल सी के सितारों जीडीएस को किया गया सम्मानित

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या मण्डलीय कार्यालय में CeLC (चाइल्ड इनरोलमेंट लाइट क्लाइंट) के उत्कृष्ट कार्य के लिए अयोध्या जनपद के ग्रामीण डाक सेवकों को मोबाइल व आयरन प्रेस मशीन देकर सम्मानित किया गया । इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने ब्मस्रू (चाइल्ड इनरोलमेंट लाइट क्लाइंट) के सितारे की प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आई पी पी बी शाखा प्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित किया । प्रतियोगिता में श्रेणी के तहत स्कूटी, स्मार्ट टीवी, इंडक्शन चूल्हा, पावर बैंक, तथा स्मार्ट मोबाइल फोन उपहार रखा गया था। अयोध्या जनपद के 18 ग्रामीण डाक सेवकों ने मोबाईल व आयरन प्रेस मशीन विजेता बने इस दौरान कार्यक्रम की मुख्यातिथि मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर एच के यादव ने कहा कि डाकघर की सेवाएं लाभदायक एवं सभी वर्ग को सामान रूप से जनता को सीधे आसानी से मिल जाती है डाक विभाग ने सदैव जनता का विश्वास हासिल किया है। साथ ही श्री यादव ने बताया कि इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से घर बैठे जमा निकासी की सुविधा दर्जनों सुविधा, मोबाइल, टीबी रिचार्ज की सुविधा, आधार से किसी भी बैंक के खाते से धन निकासी, साथ साथ ब्मस्रू से नवजात शिशु का आधार नामांकन एवं अद्दतन की सुविधा के साथ जनता के बीच कार्य कर रहा है । इस दौरान मोबाइल विजेता सत्यदेव, सूरज, अनुपमा, आशीष पटेल, राजेंद्र प्रसाद यादव, देवेन्द्र पाण्डेय, शम्भू पटेल, रोशनलाल, राम नारायण, शिव सरन, आनन्द प्रकाश, राम शंकर गुप्ता, नम्रता द्विवेदी, संदीप यादव, गौरव पाण्डेय, रोहित कुमार तथा प्रेस मशीन विजेता अनिता पाण्डेय, शिव कुमार सहित 18 ग्रामीण डाक सेवक पुरस्कृत किए गये कार्यक्रम के दौरान परिवाद निरीक्षक राजेश्वर दूबे, मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह,सहायक शाखा प्रबंधक पंकज पॉल, राघवेंद्र प्रताप सिंह, चाँदनी वर्मा, आदि मौजूद रहे।

कई दशकों से कुंडली मारकर एक ही जगह जमे हुए हैं कर्मचारी

जेडी, डी डी आर (माध्यमिक) अयोध्या–देवी पाटन मंडल व डीआईओएस का हाल

एक दशक पूर्व डीएम के कार्यवाही पर इस विभाग मे मची थी खलबली

अयोध्या। जिला विद्यालय निरीक्षक,उप शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) व संयुक्त शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) देवी पाटन मंडल तथा अयोध्या मंडल कार्यालय सुबह से लेकर कार्यालय बंद होने तक दलालो के गिरफ्त में मे है।जिनका मुख्य कार्य वहां पर की वर्षों से कुंडली मारकर जमे कर्मियों से सांठगांठ कर वहां पर आने वाले शिक्षकों व अन्य कार्यों को कराने के लिये आने वाले फरियादियों से भारी रकम ऐंठ कर अपने चंगुल में फंसाये रहते हैं।परंतु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है।देखा जाए तो इस विभाग में तैनात जब किसी भी कर्मचारियों का स्थानांतरण गैर जिले में हो भी जाता है तो वे कर्मचारी उच्चाधिकारियों व राजनीतिक दलों से सांठगांठ कर अपना स्थानांतरण एक ही छत के नीचे दूसरे शिक्षा अधिकारी के यहां करा कर इसी जिले में कई वर्षों से कुंडली मारकर एक ही जिले में जमे हुए हैं।या फिर इसी विभाग में उनका स्थानांतरण किसी दूसरे पटल पर हो जाता है।इन कर्मचारियों का यहां पर तैनात शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर इतना दबाव भी है जिसके चलते यहां पर तैनात संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक,उप शिक्षा निदेशक व जिला विद्यालय निरीक्षक चाहते हुए भी इन कर्मचारियों का के खिलाफ किसी भी तरह की कार्यवाही करने से कतराते हैं। बताते चलें कि यहां पर एक एक कर्मचारी इस तरह के है जो तीन साल तो छोड़िए बीस बीस साल से अधिक होने के बावजूद इसी जिले में कुंडली मारकर बैठे हुये है। जिसके चलते इन कर्मचारियों के आगे शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कुछ नहीं चल रही है।नाम न बताने के शर्त पर इस विभाग में तैनात एक कर्मचारी ने बताया कि यहां पर तैनात कर्मी बोर्ड परीक्षा मे परीक्षा केंद्रों का निर्धारण करने, परीक्षकों की ड्यूटी लगाने,गैर जिले से इसी जिले में स्थित कालेजों में नियुक्ति पत्र जारी करने, पेंशन बनवाने सहित कई अन्य कार्यों को करने के लिये फरियादियों से बिना सुविधा शुल्क के कोई काम नहीं होता। आज से एक दशक पूर्व एक समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार को संज्ञान में लेते हुए तात्कालीन जिलाधिकारी ने इस विभाग के अधिकारियों से यहां पर तैनात सभी कर्मचारियों की उनकी तैनाती से पत्रावली के साथ अपने कार्यालय में तलब किया था तो अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक खलबली मच गई थी। आनन–फानन में कुछ कर्मचारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल कर उनका स्थानांतरण गैर जिले में हो गया था।परंतु वर्तमान समय में फिर ऐसे कर्मचारियों ने अपना इसी जिले में करा लिया है।इस संबंध में शिक्षा विभाग में तैनात अधिकारियों ने बताया कि अगर ऐसी बात है तो इस पर अमल किया जायेगा और मानक के मुताबिक कार्यवाही की जाएगी।

हिंदी फिल्म `दशमी' का पोस्टर लान्च, 16 को होगी रिलीज'

'सामाजिक बुराइयों को इंगित करते हुए बनाई गयी है फिल्म'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। आगामी 16 फरवरी को रिलीज हो रही हिंदी फिल्म दशमी का पोस्टर लॉन्च किया गया। वही अयोध्या शहर के सिविल लाइन स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता के दौरान फिल्म के प्रोड्यूसर डायरेक्टर व कलाकारों ने लॉन्च पोस्टर किया। पोस्टर लॉन्चिंग के मौके पर प्रोड्यूसर डायरेक्टर राइटर व फिल्म के कलाकार मौजूद रहे। इस फिल्म में ऐश्वर्या, मनोज सिंह टाइगर व संजय पांडे मुख्य भूमिका में, फिल्म में सामाजिक बुराइयों को इंगित किया गया है। प्रेस वार्ता के दौरान फिल्म निर्देशित शांतनु तांबे ने बताया कि कब तक कलयुग में त्रेतायुग के रावण को जलाते रहेंगे, अब कलयुग के रावण को जलाने का समय इस फिल्म में निर्देशित किया गया। यह फिल्म 16 जनवरी को संपूर्ण भारत में रिलीज हो रही। फिल्म के सभी ट्रेलर और गाने आ चुके हैं। जिस तरह से बलात्कार की जो वारदाताए हो रही है। उसी को लेकर हमने ये फिल्म बनाई। उन्होंने बताया कि यहा फिल्म लखनऊ, कानपुर, मलियाबाद और अयोध्या शूटिंग की गई और एक छोटा सा हिस्सा हमने मुंबई में शूट किया था।वही दशरथगद्दी के महंत बृजमोहन दास ने फिल्म के प्रोड्यूसर डायरेक्टर राइटर व फिल्म के कलाकारो को प्रभु श्री राम की नगरी से फिल्म की लांचिंग को लेकर आशीर्वाद दिया. उन्होंने कहा कि दशमी नाम से सबको पता चल जाता है कि दशमी फिल्म का मतलब हुआ बुराई का अंत और सच्चाई की जीत। इस फिल्म के जरिये इन सभी लोगो ने दिखाने का काम किया है। '

'मजदूरी नहीं मिली तो धरने पर बैठे लेबर, बकाया न मिलने पर ठप करेंगे काम'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। मनरेगा मजदूरी न मिलने से नाराज मजूदरों ने शुक्रवार को ब्लॉक मुख्यालय पर धरना देकर विरोध जताया। मजदूरों ने समय से मजदूरी दिलाने की मांग को लेकर खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा। मनरेगा मजदूर निशा, कुसुमा, संगीता, सुशीला, श्यामकली, अनीता, सावित्री, राम चंदर, पवन कुमार सहित कई मजदूरों का आरोप है कि पहले समय पर मजदूरी मिलने से परिवार का खर्च चल जाता था। लेकिन अब प्रधान की ओर से काम तो करा लिया जाता है लेकिन मजदूरी के नाम पर प्रधान हाथ खड़ा कर देते हैं। तीन महीने से मजदूरी न मिलने के कारण आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण परिवार के भरण–पोषण में दिक्कतें आ रही हैं। मजदूरों का कहना है कि जब तक बकाया मजदूरी नहीं मिल जाती है तब तक वह मनरेगा कार्य का बहिष्कार करेंगे। खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र कुमार मौर्या ने बताया कि नवंबर माह से मनरेगा मजदूरों के लिए कोई धनराशि आवंटित नहीं हुई है। ऐसे में उनको मजदूरी कोई प्रधान कहां से दे पाएगा। जैसे ही धन आवंटित होगा, सभी को वरीयता के आधार पर भुगतान किया जाएगा।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राम लला का किया दर्शन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। आम आदमी पार्टी के दोनों मुख्यमंत्री ने राम लला का दर्शन किया, दर्शन के बाद एयरपोर्ट पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बयान दिया कि आज रामलला का दर्शन पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, प्रभु राम का दर्शन करके असीम शांति का अनुभव मिला, बहुत अच्छा लगा, इसका वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता, पूरे समाज और पूरे विश्व के लिए सौभाग्य की बात है, अयोध्या में भव्य और सुंदर मंदिर बनकर तैयार हुआ है, प्रतिदिन लाखों राम भक्त दर्शन पूजन करने आ रहे हैं, आस्था देखकर दिल गदगद हो जाता है और हमने भगवान से सबके लिए देश के लिए सुख शांति और स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बयान दिया कि परिवार के साथ प्रभु राम के दर्शन हुए, लंबे समय से इच्छा थी, आज आना हुआ, भारत धार्मिक आस्था वाला देश है, कोई पर्व और कोई त्यौहार जब मनाया जाता है तो हम लोग इकट्ठे होकर मनाते हैं, राम लला का दर्शन पूजन करने के बाद किया प्रार्थना, देश की हो तरक्की हो सब लोग रहे सुखी, शांति से सब में आपस में भाईचारा बना रहे, भारत एक गुलदस्ता है और गुलदस्ते के अलग–अलग रंग है, फल फूल की अपनी सुगंध है, अयोध्या जाकर बहुत अच्छा लगा।

देश की राजधानी नई दिल्ली में सम्मानित होंगे खाकी वाले गुरुजी रणजीत यादव

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। देश की राजधानी नई दिल्ली के गोल मार्केट स्थित मुक्त धारा ऑडिटोरियम में 15 फरवरी 2024 को आयोजित श्एक शाम समाजसेवियों के नामश कार्यक्रम में पुलिस महानिरिक्षक कार्यालय अयोध्या परिक्षेत्र में नियुक्त सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव को सोशल फाइटर अवार्ड–2024 से सम्मानित किया जायेगा। लिप्स एंड बाउंड फाउंडेशन,द ह्यूमन कनेक्ट और विद्या सेवा भारती के संयुक्त तत्वधान में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस से अयोध्या में नियुक्त उपनिरीक्षक रणजीत यादव और एडीजी जोन आगरा कार्यालय में नियुक्त मुख्य आरक्षी सुंदर सिंह सहित दिल्ली पुलिस के कोतवाली सब्जी मंडी प्रभारी इंस्पेक्टर राममनोहर,मुख्य आरक्षी आशीष दहिया,मुख्य आरक्षी अमित फोगाट,महिला मुख्य आरक्षी कृष्णा,आरक्षी रविन्द्र धारीवाल,महिला मुख्य आरक्षी मधुबाला, मुख्य आरक्षी दिनेश कुमार, मुख्य आरक्षी संदीप सिंह हेलमेट मैन, हिमांचल पुलिस के मुख्य आरक्षी मनोज ठाकुर व हरियाणा पुलिस के सब इंस्पेक्टर अशोक वर्मा, एएसआई पवन कुमार, आरक्षी शमशेर सिंह समेत देश के कुल 37 पुलिसकर्मियों को सोशल फाइटर अवार्ड 2024 से सम्मानित किया जाएगा। खाकी वाले गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव ने बताया कि ष्तीसरी बार नई दिल्ली में सम्मानित होने का अवसर मिला यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है इसका श्रेय मैं अपने माता पिता परिवार गुरुजनों एवं मित्रों को देता हूँ।

विप्र संजीवनी परिषद के संस्थापक–डा0 अशोक कुमार पाण्डेय के आचार्यत्व में कई बटुको का यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न कराया गया

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या में विप्र संजीवनी परिषद के संस्थापक–डा0 अशोक कुमार पाण्डेय के आचार्यत्व में कई बटुको का यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न कराया गया। जिसमे उत्तर प्रदेश के कई जनपदों के बच्चो के साथ उनके अभिभावकों की भी उपस्थिति रही।मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की नगरी अयोध्या में स्थापित विप्रसंजीवनीपरिषद गुरुकुल में प्रतिवर्ष निःशुल्क अनेको बटुको का यज्ञोपवीत कराया जाता है। और उन्हे संस्कारवान बनाकर भारत की प्राचीन गरिमा को पुनरजीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। डा0 अशोककुमारपाण्डेय ने अबतक अनेको बटुको का निशुल्क यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न कराया है उनका कथन है यदि संस्कार जीवित हुआ तो संस्कृत भाषा अवश्य ही विस्तार को प्राप्त करेगी। डा0 अशोक कुमार पाण्डेय विप्र संजीवनी परिषद में निःशुल्क 70बच्चों को विद्याध्ययन कराते है।उनका कथन है कि सभी भाषाओं की तरह संस्कृत केवल भाषा ही नही है। इसके अध्ययन से हमारे अंदर देवत्व उत्पन्न हो जाता है क्योकि यह देवभाषा है।डा0 अशोक पाण्डेय के पढाए अब तक हजारों के ऊपर शिक्षक धर्मगुरु कथा वाचक संगीतकार कवि हो चुके है।इनके पढाए हुए अनेको जे0 आर0 एफ0 भी है। परिषद में आज सायंकाल के समय भजन संध्या का आयोजन भी किया गया जिसमे परिषद के ही छात्रो नें शानदार प्रस्तुति की।और भण्डारा का भी आयोजन किये गया जिसमें अनेको लोग भोजन प्रसाद भी लिए। यज्ञोपवीत के उपरांत आचार्य डा0 अशोककुमारपाण्डेय ने यज्ञोपवीत का महत्व बताते हुए कहा कि आज हमारा हिन्दू समाज संस्कार और संस्कृतभाषा के प्रति बहुत ही उत्सुक दिखाई पड़ रहा है।भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और उ0प्र0के मुख्यमंत्री योगी जी ने फिर भारत देश एवं प्रदेश को पहले जैसा समृद्ध बना दिया।भारत की पहचान उसकें संस्कारों एवं भाषा से ही होती रही थी किन्तु कुछ हिन्दू विरोधी मानसिकता वाले लोग भारत देश को अन्य देशो की तरह असभ्यता एवं नग्न वातावरण की तरफ धकेल दिए थे।संस्कार से ही हम द्विज कहलाते है।जब तक हमारे देश में संस्कार था अनेको महापुरुष पैदा होते थे।किन्तु संस्कार विहीन भारत देश में अनेको राष्ट्र विरोधी संस्कृति विरोधी संस्कृत भाषा विरोधी लोग पैदा हो गए थे।किन्तु आज का वातावरण पहले से बिल्कुल बदल गया है।अब इस देश में पुनः संस्कृत भाषा भारतीय प्राचीन संस्कृति एवं मर्यादाएं पुनः जीवन्त हो रही है । आचार्य जी ने कहा कि संस्कार विहीन मनुष्य में और पशु में कोई अंतर नही होता है। यज्ञोपवीत संस्कार का संपादन कर रहे अनेको वैदिकों के वैदिक मन्त्रों के उच्चारण से पूरा अयोध्या का वातावरण गुंजायमान हो गया । वैदिक विद्वानो में पं0आचार्य शुभम पाण्डेय, पं0सिद्धांत जी,पं0विवेक जी पं0आदर्श जी पं0 मयंक मणि त्रिपाठी पं0 हर्षित पाण्डेय पं0सूरज द्विवेदी पं0 मुमुक्षानंद पं0अजय दूबे एवं पं0रुपेश दूबे ,पं0शशांक जी अंशजी राजेश्वर जी एवं अन्यान्य आचार्य गण विराजमान थे।

पेट्रोल पंप की तरह ही धर्मकांटे में चिप लगाकर माल चोर गैंग का खुलासा, सात गिरफ्तार हुए

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। धर्मकांटे में चिप लगाकर रिमोट से वजन बढ़ाकर माल चोरी करने वाले गैंग का खुलासा हुआ है। एसटीएफ ने महाराजगंज थाना क्षेत्र के पूराबाजार स्थित सीएसआईएल धर्मकांटा से सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चिप, वायर, रिमोट समेत अन्य तकनीकी उपकरण भी बरामद हुए हैं। अभी चार मुख्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। एसटीएफ के निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह ने महाराजगंज थाने में दी तहरीर में बताया कि कुछ माह से पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में धर्मकांटों के लोडसेल वायर में छेड़छाड़ करके माल चोरी करने की सूचना मिल रही थी। ये लोग एक चिप या डिवाइस के जरिये रिमोट से वजन बढ़ा देते थे। शेष माल को अलग–अलग लोगों को बेचकर आपस में बांट लेते थे। शनिवार को आरोपियों के पूराबाजार स्थित सीएसआईएल धर्मकांटे पर होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो सरिया लदा एक ट्रेलर व एक कार खड़ी थी ट्रेलर से पहले से ही सरिया निकाल ली गई थी। ट्रेलर में बैठे दो व कार में बैठे चार आरोपियों को दबोच लिया गया। आरोपियों की पहचान कादरीगंज बिहार निवासी रंजीत चौधरी, वजीरगंज गोंडा निवासी सुरेंद्र कुमार शुक्ला, सिद्धार्थनगर के सिरसिया निवासी विशाल अग्रहरि,बलिया के नगपुरा निवासी राजवीर सिंह, गोंडा के रामपुर भगाही नवाबगंज निवासी अंकित कुमार यादव, गोंडा के रघुराज नगर टिकरी निवासी दिनेश कुमार पांडेय के रूप में हुई।

आरोपियों ने बताया कि वह प्लांट के गेट पर तैनात गार्ड देवरिया के रामपुरगढ़ निवासी आशुतोष राव की मदद से धर्मकांटा के लोडसेल वायर में चिप लगाए थे। आरोपी विशाल अग्रहरि मुंबई में धर्मकांटे की दुकान पर कार्य करता था। वहीं से उसे धर्मकांटे के पार्ट व उनकी मरम्मत की जानकारी हुई थी। इसके अलावा आरोपी परसरामपुर बस्ती निवासी अनिल कुमार यादव, अमेठी के जगदीशपुर के मरौचा बौरा निवासी विवेक कुमार सिंह, अयोध्या के भरत पंडित व अंबेडकरनगर के अवसानपुर निवासी बब्बन सिंह यादव फरार हैं। दर्ज एफआईआर के अनुसार, विशाल अग्रहरि ने बताया कि धर्मकांटे में चिप लगाकर रिमोट से वजन घटाया–बढ़ाया जाता है। रिमोट पर चार बटन ए, बी, सी, डी अंकित हैं। ए व बी से रिमोर्ट ऑन व ऑफ होता है। सी से वजन बढ़ता है और डी से वजन मैनेज होता है। गाड़ी आने से पहले जितने वजन का माल निकाला गया होता है, उतना वजन रिमोट से धर्मकांटे के पास जाकर सेट कर लिया जाता है। जब गाड़ी धर्मकांटे पर चढ़ती है, वजन होते समय ए बटन दबा देने से बढ़ा हुआ वजन धर्मकांटे पर प्रदर्शित होता है। थानाध्यक्ष अमरजीत सिंह ने बताया कि मामले में केस दर्ज करके जांच की जा रही है।

रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचे रिकार्ड 10 लाख श्रद्धालु

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।रामनगरी अयोध्या धाम में 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा के बाद अभी तक 23 जनवरी को सबसे अधिक 5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। उसके बाद मौनी अमावस्या के दूसरे दिन 10 फरवरी की भोर से ही श्रद्धांलुओं का रेला अयोध्या की तरफ उमड़ पड़ा। आस्था का सैलाब इतना अधिक था कि भीड़ नियंत्रण में फोर्स के भी पसीने छूट गए। अभी तक आस्था ट्रेनों, टूरिस्ट बसों, फ्लाइट एवं निजी संसाधनों से प्रति दिन 3 से 3.5 लाख श्रद्धालु आ रहे अयोध्या आ रहे हैं किन्तु शुक्रवार 9 फरवरी को मौनी अमावस्या का स्नान होने के कारण तीर्थ नगरी अयोध्या व प्रयागराज में श्रद्धालु सरयू व गंगा में डुबकी लगाते हैं। जिसके चलते मौनी अमावस्या पर अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगभग 4 लाख रही। इसके दूसरे दिन यानी 10 फरवरी कल शनिवार

को श्रद्धालुओं की संख्या में काफी वृद्धि देखी गई जो 10 लाख से अधिक रही।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।